बहना है ताकाइची, मेलोनी है मित्र।
मोदी भैया आप हैं, सचमुच बड़े विचित्र।
सचमुच बड़े विचित्र, हुनर यह जमकर आता।
अलग-अलग से अलग, जोड़ लेते हैं नाता।
कह साहिल कविराय, यही बस अपना कहना।
राहुल भी हैं बंधु, प्रियंका भी हैं बहना।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

# यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 177 | SATURDAY 04-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

# नामी ज्वेलर को करोड़ों में पड़ा प्रेम प्रसंग !

अमृतसर/यूटर्न/3 जुलाई। आज 21वीं सदी में जहां लोग पहले से एडवांस है, वहीं अब उनकी सोच और भी ज्यादा एडवांस हो चुकी है। हालात यह है कि पहले जो व्यक्ति सामाजिक पारंपराओं में फंसे हुए थे, अब वे खुलकर रहने लगे हैं। बची कसर लीव इन रिलेशन को लीगलाइज करने से निकल गई। जिससे जहां पहले लोग एक्सट्रा मैरिटल अफेयर करने से घबराते थे, वहीं अब लीव इन रिलेशन को लीगल करने पर वे इसे अपना लाइसेंस समझ बैठे हैं। इस कारण अब शादीशुदा होने के बावजूद महिला-पुरुष बाहर प्रेम प्रसंग करने से घबराते नहीं है। एक समय था, जब सोसायटी के डर से लोग ऐसी गलत हरकतों से डरते थे, जहां तक कि होटल जाने का तो कोई सोचना भी नहीं था। लेकिन आज कल लोग बाहरी प्रसंगों को ट्रेंड समझते है और होटल इंडस्ट्री ने तो इसे अपना व्यापार बना लिया है। ऐसे ही एक प्रेम प्रसंग का मामला अमृतसर के मॉल रोड का का सामने आया है।

चर्चा है कि अमृतसर की माल रोड के एक नामी ज्वेलरी कारोबारी द्वारा शादीशुदा होने के बावजूद शोरूम की सेल्स गर्ल्स के साथ ही प्रेम प्रसंग शुरू कर दिया गया। लड़की प्रेग्नेंट भी हो गई। धीरे-धीरे कारोबारी इस प्रेम के जाल में ऐसा फंसा कि उसे इससे बाहर निकलने के लिए करोड़ों रुपए की कीमत चुकानी पड़ी। दरअसल, लड़की प्रेग्नेंट होने पर विवाद बढ़ गया। जिसके बाद कारोबारी द्वारा करोड़ों रुपए देकर मामला दबा लिया गया। चर्चा है कि 6-7 करोड़ रुपए में समझौता हुआ है। हालांकि यह बात आग की तरह ज्वेलरी कारोबार में फैल गई। ज्वेलरी सेक्टर में पूरा दिन इस मामले को लेकर चचाएं होती रही।

## आठ करोड़ रुपए देने की हुई थी मांग

चर्चा है कि लड़की वालों द्वारा पहले कानूनी कार्रवाई कराने की तैयारी कर ली गई थी। लेकिन कारोबारी के पिता की काफी अप्रोच है, जिसके बाद उसने सिफारिश लगाकर लड़की वालों को रुकवाया। फिर मामला रफा दफा करने के लिए पहले आठ करोड़ रुपए की मांग की गई। लेकिन फिर बीच में लोग पड़े और फिर जाकर मामला 6-7 करोड़ रुपए में फाइनल हुआ। जिसके बाद मामला रफा दफा कर दिया गया। जिसके बाद कारोबारी परिवार द्वारा अपनी बहू से बातचीत कर उन्हें मनाकर वापिस घर लाया गया।

## *विदेशी कल्चर हो रहा हावी*

*दरअसल, विदेशों में सोशल नेटवर्किंग क्लब बने हुए हैं। जहां आपस में मुलाकात कर बिजनेस नेटवर्क बढ़ाया जाता है। विदेशों के क्लबों में गले मिलना, हाफ किस आम बातें है। लेकिन वहीं कल्चर भारत में आया। लेकि भारतीय परंपरा ऐसी नहीं है। मगर कहीं न कहीं विदेशी कल्चर भारतीयों पर हावी होता जा रहा है। इसी वजह से हंसकर बोलने और खुलकर मिलने पर लोग जल्दी अट्रैक्ट हो जाते है। जिसके बाद ऐसे मामले निकलकर सामने आते हैं।*

## काफी समय से शोरुम पर काम कर रही थी लड़की

- उक्त ज्वेलरी कारोबारी का मॉल रोड पर शोरुम है। जहां पर लड़की काफी समय से बतौर सेल्स गर्ल काम कर रही थी। एक ही जगह पर काम करने के चलते कारोबारी और लड़की के बीच अट्रैक्शन होती रही। जिसके बाद नजदकियां बढ़ती चली गई।

## विवाद बढ़ने पर पत्नी ने छोड़ा घर

- चर्चा है कि लड़की और कारोबारी में नजदीकियां इतनी बढ़ी कि उन्होंने सभी हदें पार कर डाली। जिसके बाद लड़की प्रेग्रेंट हो गई। जिस कारण लड़की के परिवार वालों को सब कुछ पता चल गया। उन्होंने कारोबारी के घर पर भी सारी बात बताई। जिसके बाद कारोबारी की पत्नी घर छोड़कर चली गई।

प्रार्थना सभा

आपको अत्यंत दुखी ह्रदय से सूचित किया जाता है कि हमारी प्रिय
श्रीमती नीना सोनी जी
जो कि सोमवार, 22.06.2026 को अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर प्रभु चरणों में विलीन हो गई हैं।
उनकी आत्मिक शांति के लिए
परम पूज्य श्री कृष्ण जी महाराज (पिता जी)
के पावन सानिध्य में
श्री अमृतवाणी पाठ
शनिवार, 04 जुलाई 2026 । दोपहर 2:00 से 3:00
निरवाना क्लब, हांबड़ा रोड, लुधियाना में होगा।

दुःखी ह्रदय

नरेश सोनी (पति)

अमन सोनी – वसुधा सोनी
(पुत्र– पुत्र वधु)
निधि वाही – संजय वाही
(बेटी – दामाद)
अभय सोनी – ईशा सोनी
(पौत्र – पौत्र वधु)

भवनेश सोनी – शशि सोनी
(जेठ – जेठानी)
धनेश सोनी – तृप्ता सोनी
(जेठ – जेठानी)
किरण कपूर (नन्द)

मो: 9814825100, 9814011300

# नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में जान गंवाने वाले छात्रों की स्मृति में सुखना झील पर कांग्रेस का कैंडल मार्च

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। देश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार हो रहे पेपर लीक, युवाओं के टूटते विश्वास और इन परिस्थितियों से निराश होकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने वाले विद्यार्थियों की स्मृति में आज चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सुखना झील पर एक भावुक एवं विशाल कैंडल मार्च निकाला गया। इस कैंडल मार्च का नेतृत्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की चंडीगढ़ प्रभारी एवं पूर्व सांसद रजनी पाटिल, चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी तथा चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने संयुक्त रूप से किया।

# अगर बच्चा समय पर नहीं सुन पाएगा, तो शायद कभी बोल भी नहीं पाएगा

## Deep Hospital के वरिष्ठ ENT विशेषज्ञ डॉ. राजीव कपूर से विशेष बातचीत

नाक, कान और गले से जुड़ी बीमारियों को अक्सर लोग सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यही अंग हमारी सुनने, बोलने और सांस लेने की क्षमता से जुड़े हैं। बच्चों में जन्मजात बहरापन, कॉक्लियर इम्प्लांट और एलर्जी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर Deep Hospital के वरिष्ठ ENT विशेषज्ञ डॉ. राजीव कपूर ने विस्तार से बातचीत की।

**आपका सफर कैसे शुरू हुआ और आपने ENT क्यों चुना?**
डॉ. राजीव कपूर: मैं मोगा जिले के एक छोटे से गांव रावो कला का पहला डॉक्टर हूं। बचपन में गंभीर एलर्जी से जूझता था, जिसने मुझे डॉक्टर बनने की प्रेरणा दी। MBBS के बाद सेक्टर-32 अस्पताल में हाउस जॉब के दौरान एक बच्चे की ट्रेकियोस्टॉमी कर उसकी जान बचाई। उसी अनुभव ने तय कर दिया कि मुझे ENT विशेषज्ञ बनना है।

**भारत में जन्मजात बहरेपन को लेकर सबसे बड़ी चुनौती क्या है?**
डॉ. कपूर: सबसे बड़ी समस्या समय पर पहचान न होना है। विकसित देशों में हर नवजात की Hearing Screening होती है, लेकिन भारत में अभी यह हर जगह उपलब्ध नहीं है। कई बच्चों का बहरेपन का पता तब चलता है, जब वे बोलना शुरू नहीं करते। यदि बच्चा सुन नहीं पाएगा, तो वह बोल भी नहीं सीख पाएगा। इसलिए समय पर जांच बेहद जरूरी है।

**इलाज का सही समय क्या है?**
डॉ. कपूर: जन्म के पहले वर्ष के भीतर सुनने की समस्या का इलाज शुरू हो जाना चाहिए। यही वह समय है जब मस्तिष्क भाषा सीखता है। जितनी जल्दी इलाज होगा, बच्चे के सामान्य जीवन जीने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

**कॉक्लियर इम्प्लांट क्या है?**
डॉ. कपूर: जिन बच्चों में साधारण Hearing Aid काम नहीं करता, उनके लिए Cochlear Implant सबसे प्रभावी इलाज है। भारत में हर 1000 नवजातों में लगभग 4 बच्चों को इसकी जरूरत पड़ सकती है। सही समय पर सर्जरी और स्पीच थेरेपी से अधिकांश बच्चे सामान्य जीवन जी सकते हैं।

**पांच साल के बाद परिणाम क्यों कम हो जाते हैं?**
डॉ. कपूर: हमारा मस्तिष्क शुरूआती वर्षों में ही ध्वनि पहचानना सीखता है। यदि उसे समय पर आवाज नहीं मिलती, तो सुनने वाला हिस्सा विकसित नहीं हो पाता। इसलिए इलाज में देरी भविष्य के परिणामों को प्रभावित करती है।

**क्या भारत में Hearing Screening अनिवार्य होनी चाहिए?**
डॉ. कपूर: बिल्कुल। जैसे टीकाकरण जरूरी है, वैसे ही Hearing Screening भी होनी चाहिए। Deep Hospital में हर नवजात की यह जांच की जाती है। भविष्य में इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

**कॉक्लियर इम्प्लांट महंगा है। गरीब परिवार क्या करें?**
डॉ. कपूर: कई सरकारी और सामाजिक योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों का इम्प्लांट, सर्जरी और स्पीच थेरेपी तक निःशुल्क कराई जाती है। इसे खर्च नहीं, बल्कि बच्चे के पूरे भविष्य में निवेश समझना चाहिए।

**क्या यह इम्प्लांट सिर्फ बच्चों के लिए है?**
डॉ. कपूर: नहीं। यदि किसी व्यक्ति की सुनने की क्षमता बाद में चली गई है, तो वह किसी भी उम्र में कॉक्लियर इम्प्लांट करा सकता है। दुनिया में 106 वर्ष तक के मरीजों में भी सफल इम्प्लांट हो चुके हैं।

***आजकल एलर्जी इतनी क्यों बढ़ रही है?***
*डॉ. कपूर: प्रदूषण, बदलती जीवनशैली और पर्यावरण इसके प्रमुख कारण हैं। लगातार छींक, नाक बहना या बार-बार जुकाम को सामान्य नहीं समझना चाहिए। समय पर इलाज न होने पर यही एलर्जी आगे चलकर अस्थमा का रूप ले सकती है।*

**क्या एलर्जी कमजोर इम्यूनिटी की निशानी है?**
डॉ. कपूर: नहीं। एलर्जी कमजोर नहीं, बल्कि अत्यधिक सक्रिय इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया है। सही जांच से एलर्जी के कारण का पता लगाया जा सकता है और Immunotherapy जैसी आधुनिक तकनीकों से इसे लंबे समय तक नियंत्रित किया जा सकता है।

***अंत में आपका संदेश?***
*डॉ. कपूर: यदि बच्चा आवाज पर प्रतिक्रिया नहीं देता या बोलने में देरी हो रही है, तो इंतजार न करें। तुरंत ENT विशेषज्ञ से मिलें। इसी तरह लगातार छींक या एलर्जी को भी नजरअंदाज न करें। समय पर पहचान और सही इलाज से बच्चे का भविष्य और मरीज का जीवन दोनों बेहतर बनाए जा सकते हैं।*

# मॉर्निंग वॉक बनी आखिरी सफर: तेज रफ्तार कार ने महिला को 10 मीटर तक घसीटा, सिर पर चढ़ा टायर; CCTV में कैद हुई दर्दनाक मौत

लुधियाना/यूटर्न/03 जुलाई। शहर के मॉडल टाउन इलाके में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। मॉर्निंग वॉक पर निकली 53 वर्षीय हरप्रीत कौर की तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार चालक महिला को करीब 10 मीटर तक घसीटता ले गया और उसके सिर पर टायर चढ़ गया। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार, हरप्रीत कौर अपनी सहेली प्रीति (50) के साथ सुबह करीब 6 बजे सड़क किनारे सैर कर रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही प्रीति सड़क किनारे दूर जा गिरीं, जबकि हरप्रीत कौर कार के नीचे फंस गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक ने कार रोकने की बजाय रफ्तार बढ़ा दी और महिला को करीब 10 मीटर तक घसीटता रहा। इस दौरान कार का टायर उनके सिर और सीने के ऊपर से गुजर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों महिलाओं को दीप अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हरप्रीत कौर को मृत घोषित कर दिया। उनकी सहेली का इलाज जारी है। मृतका मॉडल टाउन के चार खंभा चौक क्षेत्र की रहने वाली थीं। उनके पति प्रॉपर्टी कारोबारी हैं और परिवार की बेटी की कुछ समय पहले ही शादी हुई थी। हादसे के बाद आरोपी चालक कार समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। एसएचओ गुरशिंदर कौर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पेज 06 भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में रथ के रस्से को खींचकर...

## लुधियाना में पहली बार बिना वजह महिला को पीटने वालों का पता बताने पर मिलेगा इनाम

# राह जाते भाई-बहन की बाइक में एक्टिवा से मारी टक्कर, फिर पति-पत्नी ने बुरी तरह पीटा, सिर फौड़ा, सवा महीने बाद भी नहीं मिले

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/3 जुलाई। लुधियाना में एक ऐसा मामला सामने आया है। जिसमें बिना वजह महिला को पीटने वाले एक्टिवा सवार पति-पत्नी का पता बताने वाले व्यक्ति को पीड़ित परिवार की तरफ से इनाम दिया जाएगा। दरअसल, दुगरी स्थित जैन मंदिर रोड पर मोटरसाइकिल सवार भाई-बहन को पहले एक्टिवा सवार (पीबी10एचई8955) पति-पत्नी द्वारा टक्कर मारी गई। जिसके बाद महिला को डंडों के साथ इतने बुरी तरह से पीटा गया कि उसका सिर व नाक फोड़ दिया गया। जिसके बाद मौके से फरार हो गए। जख्मियों का अस्पताल में इलाज चला। फिर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। थाना दुगरी की पुलिस ने बसंत एवेन्यू, फेस-3, एलआईजी फ्लैट 519 की रहने वाली राजिंद्र कौर रूही की शिकायत दर्ज कर ली है। लेकिन सवा महीने बाद भी पुलिस को हमलावरों का सुराग नहीं लग सका। जिसके चलते पीड़ित परिवार द्वारा हमलावरों को सजा दिलवाने के लिए उनके ऊपर इनाम की घोषणा कर दी है।

### खून से लथपथ महिला को पीटते रहे दंपति

राजिंद्र कौर रूही ने बताया कि उसके पति जतिंद्र सिंह की मौत हो चुकी है। वह 27 मई को अपने भाई गगन के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर पक्खोवाल रोड से फल खरीदकर जैन मंदिर रोड से घर जा रहे थे। इसी दौरान सफेद एक्टिवा सवार पीबी10-एचई8955 पति-पत्नी ने तेज रफ्तार के साथ उन्हें टक्कर मार दी। उनके साथ एक बच्चा भी था। गलती उनकी होने के बावजूद वे गालियां देने लगे। जिस पर राजिंद्र कौर बिना कुछ बोले वहां से चली गई। लेकिन थोड़ी दूरी पर दंपति ने एक्टिवा उनके आगे लगाई और राजिंद्र के थप्पड़ मारने लगे। हमलावरों ने रूही पर डंडों से वार किए। खून से लथपथ होने के बावजूद पति-पत्नी उसे पीटते रहे। जातिसूचक शब्द भी बोले। लोगों ने बीच बचाव किया।

### पता बताने वालों को मिलेगा इनाम

राजिंद्र कौर ने बताया कि उन्होंने उसी समय पुलिस को शिकायत दे दी थी। लेकिन सवा महीने से वे थाने के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन हमलावरों का कुछ सुराग नहीं लग सका। पुलिस का कहना है कि एक्टिवा आगे दूसरे व्यक्ति को बेची गई है। वे व्यक्ति कौन है, यहीं पुलिस नहीं ढूंढ पा रही। जिसके चलते उन्होंने उक्त एक्टिवा नंबर पीबी10-एचई8955 का एड्रेस बताने वालों को इनाम देने की घोषणा की है। राजिंद्र अनुसार वह पति-पत्नी को सजा दिलाना चाहते हैं, ताकि वे आगे से किसी के साथ ऐसे न करें खासतौर पर महिलाओं के साथ। जिसके चलते उन्होंने पति-पत्नी का एड्रेस बताने वालों को उच्चित इनाम देने का ऐलान किया है। लोग इस संबंधी पीड़ित या थाने में शिकायत दे सकता है।

## नगर निगम की अवैध इमारतों पर कार्रवाई, बाड़ेवाल रोड समेत कई इलाकों में चला पीला पंजा

लुधियाना/यूटर्न/3 जुलाई। नगर निगम ने अवैध निर्माणों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को जोन-डी क्षेत्र में निर्माणाधीन चार अवैध इमारतों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई निगम की बिल्डिंग ब्रांच की टीम ने की। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार जिन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की गई, वे बाड़ेवाल रोड, एपेक्स नगर (बाड़ेवाल रोड), मॉडल टाउन-जवद्दी रोड और फुल्लांवाल चौक के पास स्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार के निर्देशों पर लगातार चलाया जा रहा है। संबंधित भवन मालिक भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन कर निर्माण कार्य कर रहे थे। उन्हें पहले भी निर्माण रोकने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन नियमों की अनदेखी जारी रखने पर निगम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे किसी भी भवन का निर्माण शुरू करने से पहले निगम से बिल्डिंग प्लान स्वीकृत अवश्य करवाएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सके।

## 'एम्पावर यू- 2026' में शिक्षकों को मिला प्रभावी संवाद और अभिभावक सहभागिता का प्रशिक्षण

लुधियाना/यूटर्न/03 जुलाई। बीवीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित सप्ताहव्यापी शिक्षक सशक्तिकरण कार्यक्रम 'एम्पावर यू-2026' के पांचवें दिन शिक्षकों के लिए प्रभावी संवाद कौशल और अभिभावकों की सहभागिता पर आधारित विशेष सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर बीवीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रधानाचार्य पवन सूद तथा प्रधानाचार्याओं रंजू मंगल, उपासना मोदगिल और ज्योति गर्ग सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। पहले सत्र में मनोवैज्ञानिक डॉ. नवनीत कौर भट्ठल ने 'ट्रायंगल ऑफ ग्रोथ' विषय पर कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय, शिक्षक और अभिभावकों के बीच विश्वास व सहयोग आवश्यक है।

## चलते-चलते रुक रहे थे ई-रिक्शा, सरकार का बड़ा एक्शन! बैटरी बंद करने वाले ऐप्स पर लगेगी रोक

लुधियाना/यूटर्न/03 जुलाई। अगर आप ई-रिक्शा चलाते हैं या उसमें सफर करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने उन मोबाइल ऐप्स पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है, जिनके जरिए चलते हुए ई-रिक्शा की बैटरी को ब्लूटूथ से बंद किया जा रहा था। इस खतरनाक तरीके से सड़क हादसों का खतरा बढ़ रहा था। अब सरकार ने Apple और Google को ऐसे ऐप्स को ऐप स्टोर से हटाने के निर्देश दिए हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हुए, जिनमें कुछ लोग ब्लूटूथ की मदद से ई-रिक्शा की बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (BMS) से जुड़कर चलते वाहन की बैटरी बंद कर देते थे। बैटरी डिस्चार्ज रुकते ही ई-रिक्शा अचानक बीच सड़क पर रुक जाता था, जिससे चालक और यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती थी। सरकार ने जिन ऐप्स पर कार्रवाई की है, उनमें BAT-BMS, Lossigy और Epoch Li-ion शामिल हैं।

इनमें से दो ऐप्स के चीनी मूल के होने की भी जानकारी सामने आई है।

आईटी सचिव एस. कृष्णन ने बताया कि मामला सामने आते ही सरकार ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही ऐप स्टोर कंपनियों के साथ भी बातचीत की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह के खतरनाक ऐप्स लोगों तक न पहुंच सकें।

### कैसे हो रहा था खेल ?

BAT-BMS जैसे ऐप्स मूल रूप से लिथियम बैटरियों की चार्जिंग, वोल्टेज, तापमान और बैटरी की स्थिति जांचने के लिए बनाए गए थे। लेकिन कुछ सस्ते ई-रिक्शा में लगे ब्लूटूथ आधारित इटर में मजबूत सुरक्षा या पासवर्ड नहीं होने के कारण कोई भी व्यक्ति ब्लूटूथ रेंज में आकर बैटरी से कनेक्ट हो सकता था। इसके बाद बैटरी का डिस्चार्ज फंक्शन बंद कर दिया जाता था, जिससे मोटर को बिजली मिलनी बंद हो जाती और ई-रिक्शा तुरंत रुक जाता।

### हर ई-रिक्शा पर नहीं करता असर

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह कोई हाई-टेक हैकिंग नहीं बल्कि कमजोर सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाने का मामला है। यह समस्या केवल उन्हीं ई-रिक्शा में देखी गई है जिनमें कम सुरक्षा वाले ब्लूटूथ सक्षम इटर लगे हैं। लीड-एसिड बैटरी वाले या बेहतर सुरक्षा वाले लिथियम बैटरी सिस्टम इस खतरे से प्रभावित नहीं होते। सरकार ने साफ किया है कि यात्रियों और ई-रिक्शा चालकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ऐसे ऐप्स के दुरुपयोग पर सख्त नजर रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर आगे भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

# मोहाली में विदेशी छात्रा से गैंगरेप, बर्थडे पार्टी में बुला शराब पिलाई, फ्लैट में बंद किया

खरड़ /यूटर्न/3 जुलाई। मोहाली में लुधियाना की विदेशी छात्रा के साथ बर्थडे पार्टी के दौरान गैंगरेप किया गया। पार्टी के दौरान नशे की हालत का फायदा उठाकर दो विदेशी मूल के युवकों ने उसके साथ गैंगरेप किया। पीड़िता के भाई ने घटना से जुड़ी अहम बेडशीट को सबूत के तौर पर सुरक्षित रखकर पुलिस को सौंप दिया। मेडिकल जांच में गैंगरेप की पुष्टि हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान एजिकिएल और फ्रेक के रूप में हुई है। शुक्रवार उन्हें अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर भेज दिया। लाइबेरिया की पीड़ित छात्रा लुधियाना की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करती है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 9 जून को एजिकिएल का जन्मदिन था। उसने उसे लुधियाना से मोहाली आने के लिए उबर कैब का 2,000 रुपए किराया भी ऑनलाइन ट्रांसफर किया था। वह रात करीब 12 बजे अपने दो दोस्तों के साथ मोहाली की एक सोसाइटी में स्थित फ्लैट पर पहुंची।

### नशे की हालत का उठाया फायदा

पार्टी के दौरान छात्रा ने खाना नहीं खाया था और खेल-खेल में उसने एक बीयर के साथ शराब के तीन शॉट पी लिए। तबीयत बिगड़ने पर उसे आराम करने के लिए आरोपी फ्रेक के कमरे में सुला दिया। आरोप है कि रात करीब 3 बजे, जब छात्रा बेसुध की हालत में थी तब एजिकिएल और फ्रेक ने कमरे में घुसकर उसके साथ गैंगरेप किया। पीड़िता ने बताया कि देर रात जब उसके दोस्त उसे वापस घर ले जाने के लिए कमरे के पास पहुंचे, तो आरोपियों ने अंदर से दरवाजा लॉक कर लिया और काफी देर तक नहीं खोला।

# हरियाणा के किसानों के लिए बड़ा प्लान: आधुनिक खेती और नई तकनीक से बढ़ेगी आय

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। हरियाणा सरकार ने विजन-2047 के तहत कृषि क्षेत्र को आधुनिक और लाभकारी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अगले पांच वर्षों के रोडमैप की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और बेहतर बाजार व्यवस्था के जरिए किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी कृषि योजनाओं को तय समय सीमा में लागू करने पर जोर दिया, ताकि हर किसान तक उनका लाभ पहुंच सके। उन्होंने 1.40 लाख एकड़ सेम प्रभावित भूमि को खेती योग्य बनाने और भविष्य में इस समस्या की निगरानी के लिए सैटेलाइट तकनीक के इस्तेमाल के निर्देश दिए। सरकार ने 15 लाख सॉयल हेल्थ कार्ड जारी करने का लक्ष्य

रखा है। अब तक 50 हजार से अधिक मिट्टी के नमूने लिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने इस अभियान में छात्रों और ग्रामीण युवाओं को भी जोड़ने का सुझाव दिया। बैठक में प्राकृतिक और ऑर्गेनिक खेती, डीएसआर तकनीक, फसल विविधीकरण, ड्रिप सिंचाई और पराली प्रबंधन को बढ़ावा देने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सरकार 10 जिलों में प्राकृतिक खेती के उत्पादों के लिए विशेष बाजार विकसित करेगी, जबकि हिसार और गुरुग्राम में अलग मंडियां स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा का लक्ष्य केवल कृषि उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाकर किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। इसके लिए आधुनिक तकनीकों को खेतों तक पहुंचाने, संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने और किसानों को लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

# पंजाब कांग्रेस में टूट के आसार, चन्नी की मीटिंग में 50 नेता पहुंचे, वड़िंग की प्रधानगी वापिस लेने की मांग

पंजाब/यूटर्न/3 जुलाई। बंगाल की तृणमूल कांग्रेस के बाद अब पंजाब कांग्रेस में भी टूट के आसार हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष न बनाए जाने से नाराज पूर्व सीएम और जालंधर सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने घर पर 4 विधायकों समेत 50 पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग की। मीटिंग के बाद मीडिया को विधायक तृप्त राजिंदर बाजवा ने कहा कि सभी नेताओं ने चन्नी से मांग की है कि वे सांसद अमरिंदर राजा वड़िंग को पंजाब प्रधान बनाए जाने पर वे हाईकमान से बात करें। सभी नेता इस फैसले से नाराज हैं और हाईकमान इस फैसले पर रिकंसीडर करे। मीटिंग के बाद चन्नी का पहला बयान आया। जिसमें चन्नी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की लीडरशिप ने मेरे घर में आकर पंजाब के लोगों की भावनाओं को हाईकमान के आगे रखने की अपील की। इस बीच भाजपा के पंजाब प्रधान केवल ढिल्लों ने कहा कि चन्नी अगर भाजपा में आते हैं तो उनका स्वागत है। कांग्रेस में मचे इस घमासान के बीच पार्टी के पंजाब प्रभारी व छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल शनिवार को चंडीगढ़ आ सकते हैं।

### चन्नी की मीटिंग ये बड़े नेता पहुंचे

पूर्व सीएम चन्नी के घर हुई मीटिंग में कई सीनियर लीडर शामिल रहे। जिसमें विधायक तृप्त राजिंदर बाजवा, बरनाला विधायक काला ढिल्लों, कपूरथला विधायक राणा गुरजीत, राजासांसी विधायक सुखबिंदर सिंह सुख सरकारिया, पूर्व डिप्टी सीएम ओपी सोनी, पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु, गुरकीरत कोटली, पूर्व विधायक गुरप्रीत कांगड़ शामिल थे। इनके अलावा नाजर सिंह मानशाहिया, पूर्व विधायक परमिंदर सिंह पिंकी, दविंदर सिंह घुबाया, यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बरिंदर ढिल्लो, कमलजीत कड़वल और पूर्व सांसद मोहम्मद सदीक, पूर्व विधायक जोगिंदर पाल, दिनेश बस्सी, दलबीर गोल्डी, पूर्व विधायक पिरमल सिंह और सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह भी मौजूद थे।

### कांग्रेसी सांसद शाह से मिले

गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वे भाजपा के राज्यसभा सांसद तरुण चुघ के साथ नजर आए। इस मुलाकात को उन्होंने पहले से तय बताया। कहा कि पंजाब की बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर अपना पक्ष रखा था। वहीं रंधावा ने यह भी कहा कि कांग्रेस में माहौल ठीक नहीं है।

# पंजाब की ताजा राजनीतिक हलचल के केंद्र में सुखजिंदर रंधावा

संदीप शर्मा, सम्पादक

राजनीति असलियत के साथ-साथ लोगों की सोच या धारणा पर भी चलती है। इसीलिए कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात ने काफी दिलचस्पी पैदा की है। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में कांग्रेस द्वारा संगठन में बड़े बदलाव करने के ठीक एक दिन बाद हुई इस मुलाकात के समय ने अटकलों को हवा दे दी है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही इसे एक सामान्य मुलाकात बता सकते हैं। हो सकता है कि यह सच भी हो। अलग-अलग पार्टियों के वरिष्ठ नेता प्रशासनिक मामलों, अपने चुनाव क्षेत्र के मुद्दों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए मिलते रहते हैं। एक परिपक्व लोकतंत्र में, ऐसी मुलाकातों को असाधारण नहीं माना जाना चाहिए। फिर भी, भारतीय राजनीति ने लोगों की सोच को कुछ अलग तरह से ढाल दिया है। पिछले एक दशक में, कई बड़े राजनीतिक बदलावों से ठीक पहले ऐसी ही शिष्टाचार मुलाकातें हुई हैं। पंजाब के राजनीतिक हालात इस मुलाकात को और भी दिलचस्प बनाते हैं। कांग्रेस सालों की अंदरूनी गुटबाजी के बाद खुद को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रही है। संगठन में हालिया बदलाव का मकसद अनुशासन और अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी का संदेश देना था। ऐसे समय में, वरिष्ठ नेताओं के बीच बेचैनी का कोई भी संकेत—चाहे वह सच हो या सिर्फ लोगों की धारणा—उस संदेश को कमजोर कर सकता है। रंधावा कोई आम कांग्रेसी नेता नहीं हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री और अब गुरदासपुर से लोकसभा सांसद, वे पंजाब में पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। असल में, वे बीजेपी और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों के तीखे आलोचक रहे हैं और बार-बार उन पर पंजाब के हितों के खिलाफ मिलकर काम करने का आरोप लगाते रहे हैं। उनकी इसी राजनीतिक छवि के कारण अमित शाह के साथ कोई भी मुलाकात और भी अहम हो जाती है। बीजेपी के लिए भी, ऐसी अटकलें राजनीतिक रूप से फायदेमंद होती हैं, चाहे कोई नेता पार्टी छोड़े या न छोड़े। किसी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता को अपनी ओर खींचने की संभावना मात्र से ही यह नैरेटिव मजबूत होता है कि बीजेपी अपना दायरा बढ़ा रही है, यहां तक कि पंजाब जैसे राज्यों में भी, जहां चुनावी तौर पर उसकी मौजूदगी सीमित है। कांग्रेस के सामने एक ज्यादा नाजुक चुनौती है। अटकलों को सार्वजनिक रूप से खारिज करना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व एकजुट दिखे। आधुनिक राजनीति में आत्मविश्वास को इनाम मिलता है और अनिश्चितता का नुकसान उठाना पड़ता है। जब अंदरूनी एकता पर सवाल सुर्खियों में छा जाते हैं, तो विपक्ष की उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो जाती है जो मतदाताओं पर असर डालते हैं। आखिरकार, इससे मिलने वाला बड़ा सबक सिर्फ एक मुलाकात से कहीं आगे का है। भारतीय राजनीति में अब सब कुछ लेन-देन जैसा हो गया है, इसलिए आम राजनीतिक बातचीत को भी शक की नजर से देखा जाता है। विरोधी पार्टियों के नेताओं की मुलाकातों से किसी अच्छे काम की उम्मीद के बजाय, अक्सर दल-बदल की अफवाहें ही उड़ने लगती हैं। यह दिखाता है कि कैसे विचारधारा की सीमाएँ कमजोर हुई हैं और हाल के सालों में नेताओं की वफादारी कितनी तेजी से बदली है। रंधावा की यह मुलाकात सिर्फ कामकाज या संसदीय तालमेल के बारे में थी, या फिर इसके पीछे कोई बड़ी बात थी, यह तो वक़्त ही बताएगा। तब तक अटकलें लगती रहेंगी। राजनीति में अक्सर 'टाइमिंग' ही असल संदेश होती है। भले ही कोई साफ संदेश न दिया गया हो।

चंडीगढ़
यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India
05 शनिवार, 04 जुलाई 2026

पेज 12 'ओहदियां खेडा' के साथ हंसराज हंस की सूफी...

# अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का रास्ता आसान, पहले रद्द कॉलोनियों को भी दूसरा मौका

## 25% निर्माण वाली कॉलोनियों को मिलेगा मौका, 30 सितंबर तक मांगे गए आवेदन

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। पंजाब में अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले हजारों लोगों को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन नियमों के नियम 31 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। संशोधन के तहत अब ऐसी अनधिकृत कॉलोनियां नियमितीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगी, जहां कम से कम 25 प्रतिशत प्लॉटों पर निर्माण हो चुका है। आवेदन कॉलोनी के प्रमोटर या रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के माध्यम से जमा करवाए जा सकेंगे।

सरकार ने योग्य अनधिकृत कॉलोनियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2026 तय की है। खास बात यह है कि जिन कॉलोनियों के आवेदन पिछली नीतियों के तहत रद्द हो चुके थे, उन्हें भी दोबारा आवेदन करने का मौका दिया गया है। पूर्ण और सही पाए गए आवेदनों पर 30 दिनों के भीतर अस्थायी नियमितीकरण प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, जबकि सभी आवेदनों का निपटारा छह महीने के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है। आवासीय और औद्योगिक कॉलोनियों के लिए कुल क्षेत्र के कलेक्टर रेट का पांच प्रतिशत, जबकि वाणिज्यिक कॉलोनियों के लिए 10 प्रतिशत कंपाउंडिंग शुल्क निर्धारित किया गया है। अस्थायी प्रमाणपत्र और शुल्क जमा होने के बाद प्लॉट धारक अपने प्लॉट के लिए नियमितीकरण प्रमाणपत्र, भवन मंजूरी और रजिस्ट्री की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह फैसला आम लोगों को राहत देने और अनधिकृत कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं का रास्ता खोलने वाला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले रद्द हुई कॉलोनियों को भी एक और अवसर देकर हजारों परिवारों को बड़ी राहत दी है।

# मोदी कैबिनेट में फेरबदल; संगठन में बदलाव की संभावना, क्या तरुण चुघ और राघव चड्ढा की किस्मत चमकेगी?

चंडीगढ़/यूटर्न/3 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्रीय मंत्रिपरिषद में जल्द ही फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले हफ्तों में केंद्रीय कैबिनेट और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक ढांचे, दोनों में बदलाव हो सकते हैं। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक हलकों में उम्मीद है कि यह प्रक्रिया संसद के मॉनसून सत्र से पहले या उसके आसपास पूरी की जाएगी। इस संभावित बदलाव से कई राजनीतिक मकसद पूरे होने की उम्मीद है, जैसे क्षेत्रीय और सामाजिक प्रतिनिधित्व को बेहतर बनाना, संगठन में अच्छा काम करने वालों को इनाम देना, सहयोगियों और हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं को जगह देना, और 2027 में कई राज्यों में होने वाले अहम विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा को मजबूत करना।

### चुघ और चड्ढा के नामों पर चर्चा तेज

राजनीतिक हलकों में जिन नामों पर चर्चा हो रही है, उनमें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और हाल ही में पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा शामिल हैं, जिन्हें कैबिनेट में जगह मिल सकती है। हालांकि दोनों पार्टियों की ओर से कोई आधिकारिक संकेत नहीं मिला है, लेकिन अटकलें हैं कि चुघ को केंद्र सरकार में बड़ी भूमिका के लिए चुना जा सकता है, जबकि चड्ढा का नाम भी संभावित मंत्री पद के लिए लिया जा रहा है, अगर केंद्र सरकार अपनी राजनीतिक पहुंच बढ़ाने का फैसला करती है। कैबिनेट में फेरबदल भी होगा।

### राष्ट्रीय अध्यक्ष पर सभी की नजरें

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी सबकी नजरें हैं, जिनके अपनी नई संगठनात्मक टीम की घोषणा करने की उम्मीद है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि BJP और मोदी सरकार के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए सरकार और संगठन में एक साथ बदलाव किए जा सकते हैं।

### अटकलों को मिली हवा

कई घटनाओं ने इन अटकलों को और हवा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ अलग-अलग बैठकें कीं; ऐसी बैठकें अक्सर बड़े राजनीतिक या प्रशासनिक फैसलों से पहले होती हैं। हालांकि इखढ नेताओं ने इन बैठकों को सामान्य बताया है, लेकिन इनसे कैबिनेट में संभावित फेरबदल की चर्चा और तेज हो गई है।

### कई मंत्रियों के भविष्य पर चर्चा

राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होने के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन क इस्तीफे से भी एक पद खाली हो गया है, जबकि उन मंत्रियों के भविष्य पर भी चर्चा चल रही है जिनका संसदीय कार्यकाल खत्म हो गया है या जिनकी संगठनात्मक जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2027 में विधानसभा चुनावों का सामना करने वाले राज्यों के नेताओं को कैबिनेट और भाजपा संगठन, दोनों में ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलने की संभावना है।

# चंडीगढ़ पुलिस के जांच अधिकारियों को यूएपीए और पोस्ट-ब्लास्ट जांच का विशेष प्रशिक्षण

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस के जांच अधिकारियों की जांच क्षमता को मजबूत बनाने के उद्देश्य से भर्ती प्रशिक्षण केंद्र में 1 से 3 जुलाई तक तीन दिवसीय विशेष 'कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम' आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न थाना क्षेत्रों और अन्य जांच इकाइयों से कुल 42 जांच अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अधिकारियों को यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) के तहत जांच और अभियोजन, अनुसूचित अपराधों की जानकारी तथा विस्फोट के बाद की जांच (पोस्ट-ब्लास्ट इन्वेस्टिगेशन) से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के कार्य, एनआईए अधिनियम, अनुसूचित अपराध, एनआईए की तकनीकी क्षमताएं, संगठित अपराधों की जांच, व्यक्तिगत पहचान तकनीक, नार्को-टेररिज्म की जांच, कानूनी प्रावधान, केस फाइल तैयार करने की प्रक्रिया और साक्ष्यों को आरोपियों से जोड़ने की वैज्ञानिक विधियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान प्रशिक्षकों के रूप में आईपीएस अधिकारी मानव वर्मा (एसपी), लोक अभियोजक अमितोज सिंह और आदित्य, डीएसपी नवीन चंदर, एनआईए मुख्यालय से डीएसपी नितिन सिंह, डीएसपी प्रीतिंदर कौर विर्क, बायोलॉजिकल साक्ष्य विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी शर्मा, विस्फोटक विशेषज्ञ डॉ. सचिंदनंदन और डीएसपी अविनाश प्रसाद तिवारी ने विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया।

# बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत: जुलाई में 4 दिन लगेगा विशेष शिकायत निवारण मंच

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (UHBVN) ने पंचकूला जोन के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जुलाई माह का विशेष कार्यक्रम जारी किया है। उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की बैठकें 6, 13, 20 और 27 जुलाई को आयोजित की जाएंगी। बिजली निगम के अनुसार, सभी बैठकें सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक यूएचबीवीएन मुख्यालय, विद्युत सदन, इंडस्ट्रियल प्लॉट नंबर 3 एवं 4, सेक्टर-14, पंचकूला में होंगी। इन बैठकों में कुरुक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, कैथल और यमुनानगर जिलों के उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनी जाएंगी।

शिकायत निवारण मंच में 1 लाख से 3 लाख रुपये तक के वित्तीय विवादों से जुड़े मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके अलावा गलत बिजली बिल, बिजली दरों, मीटर सिक्योरिटी, खराब मीटर और कम वोल्टेज जैसी समस्याओं का भी निपटारा किया जाएगा। हालांकि, बिजली चोरी, बिजली के दुरुपयोग और घातक या गैर-घातक दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों पर इस मंच में सुनवाई नहीं होगी। बिजली निगम ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपनी शिकायतों के समाधान के लिए शिकायत निवारण मंच का लाभ उठाएं।

# भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में रथ के रस्से को खींचकर एक कदम चलने से कटते है पाप, मन में जागृत होती है भक्ति : संजय जैन बरनाला

## भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन 16 जुलाई को श्री दुर्गा माता मंदिर जगराओं पुल से

लुधियाना/यूटर्न/03 जुलाई। इस्कॉन तथा भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी के संयोजक्तव में 16 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय व विशाल स्तर पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन श्री दुर्गा माता मंदिर जगराओं पुल से सांय 4 बजे होगा। यह रथयात्रा क्लब रोड, फव्वारा चौक, रानी झांसी रोड, घुमार मंडी से होती हुई आरती चौक में विश्राम लेगी।

रथयात्रा का संदेश घर-घर पहुंचाने के लिए एवं रथयात्रा में शामिल होने के लिए गणमान्यों को निमंत्रण पत्र दिए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अशोक धीर अयूर, राजू स्काईलार्क, बसंत सिटी के संदीप गोयल संजू आदि को

परिवार सहित निमंत्रण दिया। इस्कॉन एवं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा तथा महासचिव संजीव सूद बांका ने कहा कि महानगर के श्रद्धालु भाग्यशाली हैं जो रथयात्रा का आयोजन करते हैं। इस रथयात्रा के माध्यम से महानगर में भक्ति

का प्रचार हुआ है। इस दौरान कमेटी के प्रचार सचिव संजय जैन बरनाला तथा अश्वनी जैन बरनाला ने कहा कि भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में रथ के रस्से को खींचकर एक कदम चलने से अश्वमेघ यज्ञ के पुण्य की प्राप्ति होगी वही जीवन के किए हुए पाप कटते हैं व मन में भक्ति जागती है।

### रथयात्रा के माध्यम से होते हैं भगवान जगन्नाथ जी के सुलभ दर्शन : संदीप गोयल संजू

परम जगन्नाथ सेवक एवं बसंत सिटी के मालिक संजीव गोयल संजू ने कहा कि रथयात्रा युवा वर्ग को भक्ति मार्ग पर लाने के लक्ष्य में हमेशा सफल रही है। लुधियाना में रथयात्रा का हर वर्ष आयोजन

महानगर के लोगों व भक्तों के सहयोग से संभव हो पाता है। वास्तव में रथयात्रा का उद्देश्य आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश है। जिसमें भगवान जगन्नाथ जी के सुलभ दर्शन के भी अवसर मिलते हैं।

## रूह से रूबरू

चारू नागपाल

### शोक सभा का भोज आजकल संवेदनाओं से अधिक दिखावे का माध्यम

मृत्यु किसी भी परिवार के लिए अत्यंत दुखद और पीड़ादायक क्षण होता है। पहले शोक सभा में आने वाले लोगों को केवल सादा भोजन या चाय-पानी कराया जाता था, क्योंकि उस समय उद्देश्य मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना और शोकाकुल परिवार को सांत्वना देना होता था। लेकिन आज समय के साथ यह परंपरा भी बदलती जा रही है। अब कई स्थानों पर शोक सभा के भोज में तरह-तरह के व्यंजन, मिठाइयाँ और भव्य व्यवस्थाएँ देखने को मिलती हैं। कहीं दर्जनों पकवान परोसे जाते हैं, तो कहीं महंगे मिठाई के स्टॉल लगाए जाते हैं। इससे अमीर और गरीब के बीच का अंतर भी साफ दिखाई देने लगा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार भी समाज के दबाव में अपनी क्षमता से अधिक खर्च करने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में कई बार यह समझना कठिन हो जाता है कि लोग किसी की मृत्यु के दुख में शामिल होने आए हैं या किसी उत्सव का आनंद लेने। शोक सभा का मूल उद्देश्य दिखावा नहीं, बल्कि संवेदना, सहानुभूति और दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि होना चाहिए। समाज को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और ऐसी परंपराओं को बढ़ावा देना चाहिए जिनमें सादगी, मानवीय संवेदनाएँ और पारिवारिक सहयोग सर्वोपरि हों।

## कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

### क्या Court बच्चे की Custody दादा-दादी को भी दे सकती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Child Custody के मामलों में सामान्यत: विवाद माता और पिता के बीच होता है। लेकिन कई बार ऐसी परिस्थितियां भी उत्पन्न होती हैं, जहां प्रश्न उठता है कि क्या अदालत बच्चे की Custody दादा-दादी (Grandparents) को भी दे सकती है?

उत्तर है—हाँ, विशेष परिस्थितियों में।

यदि अदालत को यह लगता है कि बच्चे का सर्वोत्तम हित (Welfare of the Child) माता-पिता के बजाय दादा-दादी या किसी अन्य उपयुक्त अभिभावक के साथ रहने में है, तो वह ऐसा आदेश दे सकती है।

उदाहरण के लिए, यदि दोनों माता-पिता बच्चे की उचित देखभाल करने में असमर्थ हों, उनका निधन हो गया हो, या ऐसी परिस्थितियां हों जिनसे बच्चे का हित प्रभावित हो रहा हो, तो अदालत Grandparents की भूमिका पर विचार कर सकती है।

अदालत निर्णय लेते समय बच्चे की उम्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, भावनात्मक जुड़ाव, आर्थिक सुरक्षा और पारिवारिक वातावरण जैसी अनेक बातों को ध्यान में रखती है। यह भी महत्वपूर्ण है कि दादा-दादी को केवल रिश्ते के आधार पर स्वत: Custody नहीं मिल जाती। अदालत प्रत्येक मामले के तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निर्णय करती है।

कई मामलों में Grandparents को Visitation Rights भी दिए जा सकते हैं, यदि अदालत को लगे कि यह बच्चे के हित में है।

निष्कर्ष: Child Custody का निर्णय हमेशा बच्चे के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखकर किया जाता है। विशेष परिस्थितियों में अदालत दादा-दादी को भी Custody या अन्य अधिकार प्रदान कर सकती है।

# प्रसाद का एक कण मिलने से खुल जाते है किस्मत के बंद दरवाजे : जोगिंदर पाल जैन

मनोज माटा

लुधियाना/यूटर्न/03 जुलाई। श्री दुर्गा सेवक संघ की ओर से प्रधान बलवीर कुमार की अध्यक्षता में करवाए गए 66 वे विशाल भगवती जागरण को लेकर श्री दुर्गा माता मंदिर नजदीक जगराओं पुल में विशाल भंडारा लगाया गया। भंडारे से पूर्व पंडित हरिमोहन शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ माँ भगवती का पूजन किया।श्री दुर्गा सेवक संघ के सभी सदस्यों ने मां भगवती को पुष्प माला अर्पित कर सर्व कल्याण की प्रार्थना की। भंडारे का शुभारंभ जोगिन्दर पाल जैन,हर्ष बाला,शिवम ,केशव जैन,राकेश जैन ,वीणा जैन,दीपक जैन,सोनिया जैन,

डी.सी.जैन,शैली जैन,सुदर्शन जैन,आशीष जैन,स्वीटी,अक्षय जैन, पूर्व पार्षद ममता आशू, बलवीर कुमार गुप्ता, ओम प्रकाश मलिक, विमल महेन्द्रू, जगदीश राज शर्मा, संदीप गुप्ता, एंव संघ के सभी सदस्यो ने किया। जोगिंदर पाल जैन ने कहा कि ये भंडारा सभी मां भक्तों के लिए लगाया गया है क्योंकि शास्त्रों में विधित है कि अगर प्रसाद का एक कण भी मिल जाए तो इन्सान की किस्मत के बंद दरवाजे खुल ही जाते है। इस अवसर पर संदीप गुप्ता,रवि शर्मा,एस.के चावला,दीपक अरोड़ा ,डा. राज कुमार, दीपक अरोड़ा, राहुल महेन्द्रू,संजीव नैय्यर,संजीव अरोड़ा ,हेमराज,वरिंदर सिंगला, मुकेश भल्ला,संजय लुंबा,प्रदीप ननचाहल आदि उपस्थित थे।

# पंचकूला में 4 व 5 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव, संत सुधांशु महाराज के सानिध्य में होगा विशाल आध्यात्मिक आयोजन

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। विश्व जागृति मिशन, पंचकूला-चंडीगढ़-मोहाली मंडल की ओर से गुरुपूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय भव्य आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन 4 और 5 जुलाई को शिवधाम आश्रम, सेक्टर-31, मोरनी रोड, पंचकूला में किया जाएगा। कार्यक्रम परम पूज्य संत सुधांशु महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न होगा, जिसमें हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

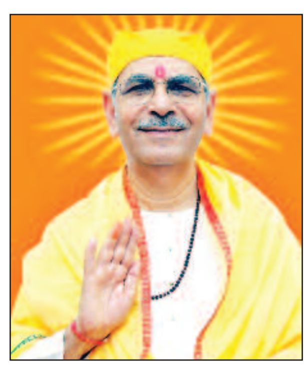

मिशन के पदाधिकारियों ने बताया कि 4 जुलाई को शाम 5 बजे से 7 बजे तक संत सुधांशु महाराज के श्रीमुख से सत्संग, भजन और अमृत वचनों का आयोजन होगा। वहीं 5 जुलाई को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक गुरु दर्शन का कार्यक्रम रहेगा। इसके बाद सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक सत्संग, गुरु अमृत वचन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार गुरुपूर्णिमा महोत्सव में श्रद्धालुओं के लिए भोजन और आवास की निशुल्क व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में आध्यात्मिक प्रवचन, भजन-कीर्तन और गुरु दर्शन के माध्यम से श्रद्धालु आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करेंगे।

# अस्पतालों का बोझ बीमा कंपनियों पर, क्लेम के नाम पर बना देते है अधिक बिल बीमा कंपनी ना दे तो पिसता है मरीज

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/03 जुलाई। अधिकतर अस्पताल कैसे मरीजों को अपनी आसामी मान लेते हैं जिन्होंने अपनी मेडिकल एंड पॉलिसी ले रखी होती है मरीज की जितनी बड़ी पॉलिसी होती है उसे उसी के हिसाब से उपचार का तौर तरीका बदल जाता है।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि इंश्योरेंस क्लेम के लिए अस्पताल का ज्यादा चार्ज लेना बिलिंग में एक गंभीर गलती है, जिससे जेब से बड़ा खर्च हो सकता है या क्लेम सीधे रिजेक्ट हो सकता है। ऐसे मरीजों का अस्पताल में स्टे बढ़ा दिया जाता है टेस्ट बार-बार रिपीट होते हैं वह डॉक्टर की विजिट असलियत से विपरीत अधिक दिखाई जाती है अगर बीमा पॉलिसी अधिक रकम की हो तो मरीज को रूम में शिफ्ट कर दिया जाता है फिर ऐसे मरीजों के हर खर्चे को 20 से 40% तक बढ़ा दिया जाता है कई बार जब हॉस्पिटल इंश्योर्ड मरीजों के लिए मेडिकल खर्च बढ़ा देते हैं, तो थर्ड-पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (TPA) या इंश्योरेंस कंपनियाँ अक्सर धोखाधड़ी का पता लगा लेती हैं और बढ़ाई गई रकम काट लेती हैं। इससे मरीज को डिस्चार्ज होने से पहले सीधे हॉस्पिटल से अंतर का पेमेंट करना पड़ता है। यानी कि उसे दो तरफ मार पड़ती है।

## अस्पताल की फार्मेसी से देते हैं दवाइयां

जिन अस्पतालों में दवा की फामेर्सी है मरीज को इस फामेर्सी से दवा लेने को कहा जाता है जबकि बहुत सी दवाइयां ऐसी है जिनके दामों का फर्क अस्पताल की फामेर्सी और कॉपर बाजार में काफी अधिक होता है लोगों का कहना है कि बढ़े हुए बिल से निपटना बहुत ज्यादा स्ट्रेसफुल हो सकता है, खासकर जब आप रिकवरी पर ध्यान देने की कोशिश कर रहे हों अगर मैरिज बाहर से दवाइयां मंगवाता है तो अस्पताल उसे मरीज को देने से इनकार कर देते हैं और अस्पताल की फामेर्सी से ही दवा लेने को कहा जाता है।

## कई डूबते हुए अस्पताल भी चल निकले

बीमा कंपनियों के सहारे गत वर्ष में कई अस्पताल जो बिकने के लिए तैयार थे बीमा कंपनियों के सहारे चल निकले हैं ऐसा डेंगू की महामारी के दौरान भी सामने आ चुका है अस्पताल और बीमा कंपनियों के सेटलमेंट के दौरान मरीज से वसूल करने के लिए दबाव बढ़ा देता है अस्पताल के पैकेज के दाम भी फाइनल बिल में बड़े हुए मिलते हैं जिसमें कोई ना कोई बहाना बना दिया जाता है कि कॉम्प्लिकेशन आने की वजह से पैकेज का खर्चा बढ़ गया जबकि हर बार ऐसा नहीं होता।

## डॉक्टर को करते हैं मीटिंग में जलील

जो डॉक्टर अस्पताल द्वारा निर्धारित टारगेट को पूरा नहीं करता उसे मीटिंग में बुलाकर जलील किया जाता है कई बार तो उसके जूनियर डॉक्टर को सामने बैठाकर बेइज्जत किया जाता है ऐसे में डॉक्टर इंश्योरेंस वाले मरीज को बकरा बनाने में गुरेज नहीं करते।

## कई अस्पताल हो चुके हैं ब्लैक लिस्ट

बीमा कंपनियों से हेरा फेरी करने के नाम पर कई अस्पताल ब्लैक लिस्ट हो चुके हैं कंपनियों के अलावा ईएसआई कॉरपोरेशन में कई अस्पतालों को ब्लैक लिस्ट कर चुकी है परंतु सिफारिश वह अन्य प्रभावों का इस्तेमाल कर यह फिर मैदान में उतर आते हैं और पहले से ज्यादा लूटपाट शुरू कर देते हैं सिर्फ फामेर्सी से दवाइयां जबरदस्ती खरीदने के लिए मजबूर करने के मामले में ही स्वास्थ्य विभाग आज तक अस्पतालों पर अंकुश नहीं लगा पाया है।

## एक फॉर्मल इंटरनल डिस्प्यूट दर्ज करें

अपने फिजिकल सबूत सीधे हॉस्पिटल के बिलिंग मैनेजर या मेडिकल सुपरिटेंडेंट को दिखाएं। बिना रिकॉर्ड किए गए जुबानी सुधार को स्वीकार करने के बजाय लिखित, रिवाइज्ड बिल की मांग करें अपने इंश्योरर के साथ कोऑर्डिनेट करें। आपको जो भी गड़बड़ियां पता चली हैं, उनके बारे में तुरंत अपनी इंश्योरेंस कंपनी या TPA को बताएं। परंतु बहुत बार यह सोचकर कि कहीं क्लेम का दावा निरस्त न हो जाए मरीज चुपचाप बैठा रहता है कानूनी विशेषज्ञों का कहना कि ऐसे घटनाक्रम के बारे में अपनी बीमा कंपनी को अवगत अवश्य कारण ताकि अस्पताल के ब्लैक लिस्ट होने का मार्ग प्रशस्त हो सके बिल पर कौन सी खास चीजें बढ़ी हुई या गलत लग रही हैं (जैसे, रूम चार्ज, डॉक्टर की फीस, या दवाएं)?

## कंज्यूमर कोर्ट का ले सहारा

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार अस्पताल में किसी तरह बिल के विवाद के मामले में या फामेर्सी पर दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर करने के मामले में मैरिज होगा उनके परिजनों को चाहिए कि वह उपभोक्ता अदालत का सहारा ले मामले की शिकायत सिविल सर्जन सहित उच्च अधिकारियों पंजाब मेडिकल काउंसिल तथा मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से करें जो एक्शन लेने लायक कदम है।

## ओवर बिलिंग का रखें ध्यान

किसी प्रोसीजर के अलग-अलग हिस्सों के लिए अलग-अलग चार्ज करना, जिन्हें कानूनी तौर पर एक ही, सब कुछ मिलाकर पैकेज रेट के तहत बिल किया जाना चाहिए। डायग्नोस्टिक टेस्ट, खास मॉनिटरिंग, या डॉक्टर विज़िट के लिए चार्ज जोड़ना जो असल में कभी हुए ही नहीं। MRP का उल्लंघन: स्टैंडर्ड दवाओं, सर्जिकल ग्लव्स, या इस्तेमाल होने वाली चीजों के लिए मैक्सिमम रिटेल प्राइस (MRP) से ज्यादा कीमत लेना। फाइनल इनवॉइस पर एक ही दवा, लैब टेस्ट, या रूटीन सप्लाई को कई बार लिस्ट करना।

## डिटेल बिल माँगें

बिलिंग डेस्क पर कभी भी गोलमोल, एकमुश्त समरी स्टेटमेंट स्वीकार न करें। हर एक कंज्यूमेबल, टैबलेट और खास प्रोसेस की लिस्ट वाला पूरा, अलग-अलग मांगे ।हॉस्पिटल में ओवरबिलिंग में इस्तेमाल होने वाले आम तरीको मे किसी रूटीन या छोटी सर्विस का बिल ऐसे कोड के तहत बनाना जो ज्यादा मुश्किल, महंगे इलाज के लिए हो।

## कानून का ले सहारा

अगर हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन बिलिंग की गलतियों को ठीक करने या सहयोग करने से मना करता है, तो आप कानूनी तौर पर मामले को आगे बढ़ा सकते हैं कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत अपने डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन में 'सर्विस में कमी' या 'गलत ट्रेड प्रैक्टिस' के लिए एक फॉर्मल शिकायत दर्ज करें। आप ज्यादा पेमेंट की गई रकम का पूरा रिफंड और मेंटल हैरेसमेंट के लिए फाइनेंशियल मुआवजा मांग सकते हैं। स्टेट मेडिकल काउंसिल: अगर किसी खास डॉक्टर ने गलत बिलिंग की है या गलत तरीके से जरूरी मेडिकल रिकॉर्ड छिपाए हैं, तो सीधे स्टेट मेडिकल काउंसिल में गलत काम की शिकायत करें।

# सराभा नगर में जज के घर ताले तोड़कर कीमती सामान व नकदी चोरी

लुधियाना/यूटर्न/3 जुलाई। सराभा नगर में एक जज के घर में घुसकर चोरों ने कीमती सामान, गहने और कैश चोरी कर लिया। जब एएसआई ने घर में सामान बिखरा देखा तो सारी बात जज को बताई। जिसके बाद पता चला कि चोर घर से कीमती साइकिल,

चांदी और नकदी चोरी करके ले गए है। थाना सराभा नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों का सुराग लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 27 जून को अदालत में छुट्टी होने के कारण जज अपने परिवार सहित स्टेशन लीव पर गए हुए थे। अगले दिन 28 जून को जज का फोन आने पर एएसआई जसविंदर पाल उनके घर पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने जज साहिब को घटना की जानकारी दी। जज के घर पहुंचकर जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर घर से ट्रेक कंपनी की करीब 40 हजार रुपये कीमत की साइकिल, 10 ग्राम का चांदी का सिक्का तथा करीब 2 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए हैं।

# डीएवी बीआरएस नगर के 57 मेधावी विद्यार्थी बोर्ड उत्कृष्टता सम्मान समारोह में सम्मानित

लुधियाना/यूटर्न/02 जुलाई। डीएवी पब्लिक स्कूल, बीआरएस नगर, लुधियाना के कक्षा 12 के 57 मेधावी विद्यार्थियों ने गुरु नानक भवन में आयोजित बोर्ड उत्कृष्टता सम्मान समारोह में विद्यालय का नाम रोशन किया। जिला शिक्षा अधिकारी सेकेंडरी, लुधियाना के निदेशानुसार आयोजित इस समारोह में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा पीएसईबी के कक्षा 12 के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। समारोह में पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और मनीष सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, निरंतर मेहनत करने और जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के लिए यह विशेष गौरव का क्षण रहा जब छात्रा हृदयरूप कौर ने आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखे और संवाद सत्र में प्रभावशाली प्रश्न पूछकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुति ने डीएवी बीआरएस नगर में विद्यार्थियों के भीतर विकसित की जा रही नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल को उजागर किया। समारोह में सभी मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के लिए यह अनुभव प्रेरणादायक और अविस्मरणीय रहा। विद्यालय की प्राचार्या जेके सिद्धू ने सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को विनम्र, लक्ष्यनिष्ठ और परिश्रमी बने रहने का संदेश दिया।

# राज्यपाल के जनता दरबार, महापौर के दौरे और निगम आयुक्त के निरीक्षण के बाद भी नहीं बदले हालात, हल्लोमाजरा में सीवर संकट गहराया

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। वार्ड नंबर-20 के हल्लोमाजरा में सीवर जाम और ओवरफ्लो की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतें करने और उच्च अधिकारियों के दौरे के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। गंदे पानी और सीवर के ओवरफ्लो से क्षेत्र में रहने वाले लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। बदबू, जलभराव और गंदगी के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी डर सता रहा है।

समाजसेवी अरविंद सिंह ने नगर निगम प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि हेलो माजरा में माननीय राज्यपाल के जनता दरबार का आयोजन हुआ, महापौर ने क्षेत्र का दौरा किया और नगर निगम आयुक्त ने भी मौके का निरीक्षण किया था। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि यदि इतने उच्च स्तर के निरीक्षणों के बाद भी लोगों को राहत नहीं मिलती, तो आम नागरिकों की शिकायतों का समाधान कैसे होगा। अरविंद सिंह के अनुसार हाउस नंबर 415 से 493 तक पूरी सीवर लाइन जाम है। इसके अलावा दीप कॉम्प्लेक्स और आसपास के कई हिस्सों में सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे न केवल आवाजाही प्रभावित हो रही है, बल्कि क्षेत्र में अस्वच्छ वातावरण भी बन गया है।

बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि सीवर का पानी बारिश के पानी के साथ मिलकर सड़कों और गलियों में भर जाता है। स्थानीय निवासी अरविन्द सिंह का कहना है कि कई बार नगर निगम को शिकायतें दी गई, लेकिन हर बार केवल अस्थायी सफाई या निरीक्षण कर मामला टाल दिया जाता है। कुछ दिनों बाद समस्या फिर पहले जैसी हो जाती है। लोगों का आरोप है कि सीवर नेटवर्क की तकनीकी खामियों को दूर करने के बजाय केवल औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं।

नगर निगम अधिकारियों से मांग की है कि हेलो माजरा की सीवर व्यवस्था का तकनीकी सर्वे कराकर स्थायी समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि समस्या को केवल निरीक्षण तक सीमित रखने के बजाय सीवर लाइन की व्यापक सफाई, मरम्मत और जहां आवश्यकता हो वहां नई लाइन बिछाने जैसे ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो स्थानीय लोग नगर निगम के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं क्षेत्रवासियों ने भी प्रशासन से मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए इस समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए, ताकि उन्हें गंदगी, जलभराव और संभावित बीमारियों से राहत मिल सके।

# 15 अगस्त समारोह की तैयारियां तेज, उपायुक्त ने अधिकारियों को सौंपीं जिम्मेदारियां

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। स्वतंत्रता दिवस-2026 के मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर चंडीगढ़ प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। उपायुक्त निशांत कुमार यादव (आईएएस) ने गुरुवार को सेक्टर-17 स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को 30 जुलाई तक परेड कमांडर नियुक्त करने तथा परेड टुकड़ियों, रिहर्सल, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की सभी तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और जिला शिक्षा कार्यालय को 25 जुलाई तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अंतिम रूप देकर प्रतिभागियों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया।

नगर निगम को समारोह स्थल पर बैरिकेडिंग, सफाई और उद्यानिकी संबंधी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस, चिकित्सा अधिकारी और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने, जबकि विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति, डीजी सेट के जरिए पावर बैकअप और सीसीटीवी व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

इंजीनियरिंग विभाग को ध्वजदंड, मुख्य मंच और गंगवे के नवीनीकरण का कार्य निर्धारित समय में पूरा करने को कहा गया। जनसंपर्क विभाग (डीपीआर) को उद्घोषक, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और समारोह की डिजिटल कवरेज की जिम्मेदारी सौंपी गई।

# सीबीएसई में 97.4% अंक हासिल करने वाली मेघना ने पंजाब विश्वविद्यालय की बी.ए. एलएलबी मेरिट सूची में पाया पहला स्थान

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। प्रतिभाशाली छात्रा मेघना ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि अपने नाम करते हुए पंजाब विश्वविद्यालय (ढव) की बी.ए. एलएलबी (ऑनर्स) 5 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी मेरिट सूची के अनुसार मेघना ने सर्वोच्च मेरिट स्कोर हासिल कर शीर्ष स्थान अर्जित किया। इससे पहले मेघना ने सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय दिया था। बोर्ड परीक्षा में

उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद अब कानून की पढ़ाई के लिए भी विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में पहला स्थान हासिल करना उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन का प्रमाण है। मेघना की इस सफलता से उनके परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। सभी ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शिक्षा जगत के लिए यह उपलब्धि प्रेरणादायक मानी जा रही है। मेघना ने सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

# मानसून ने बदली चाल, तीन घंटे की बारिश के बाद बढ़ी उमस; अगले सात दिन येलो अलर्ट पर रहेगा चंडीगढ़

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। ट्राइसिटी में मानसून की धमाकेदार एंट्री के बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली है। शुरूआती तीन घंटे की तेज बारिश के बाद बादल तो छाए रहे, लेकिन बारिश थम गई। इसके चलते चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में लोगों को उमस और चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार मानसून की रफ्तार पर अलनीनो का असर साफ दिखाई दे रहा है, जिससे लगातार बारिश का सिलसिला फिलहाल कमजोर पड़ गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र, चंडीगढ़ के अनुसार समुद्र से आने वाली नमी वाली हवाएं अलनीनो के प्रभाव के कारण कमजोर हो गई हैं। इसी वजह से बादल बनने के बावजूद व्यापक और लगातार वर्षा नहीं हो रही। बारिश रुकने के बाद धूप निकलने से हवा में नमी बढ़ गई है, जिससे उमस में इजाफा हुआ है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में मानसून दोबारा सक्रिय हो सकता है। 3 से 6 जुलाई के बीच अधिकतम तापमान 33 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में आंशिक रूप से बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के निदेशक सुरिंदर पाल ने बताया कि 3 से 6 जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस अवधि में कुछ स्थानों पर भारी बारिश, बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

# पीजीआई के चार निलंबित संविदा कर्मियों की बहाली, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा का यूनियनों ने किया सम्मान

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। पीजीआई के चार निलंबित संविदा कर्मियों की दोबारा सेवा में बहाली के बाद विभिन्न वर्कर्स यूनियनों ने भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश कार्यालय पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा का सम्मान किया। यूनियन प्रतिनिधियों ने दावा किया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के प्रयासों और संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार संवाद के चलते कर्मचारियों की बहाली संभव हो सकी। पीजीआई कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन, सिक्योरिटी गार्ड कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन और इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के सदस्य अश्विनी कुमार मुंजाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय पहुंचे। इस दौरान यूनियन प्रतिनिधियों और बहाल हुए कर्मचारियों ने मल्होत्रा को फूलमाला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया।

यूनियन प्रतिनिधियों का कहना था कि निलंबन के कारण चारों कर्मचारियों के परिवार आर्थिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। उनका आरोप है कि इस मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष कर्मचारियों का पक्ष प्रभावी ढंग से रखा और लगातार प्रयास किए, जिसके बाद बहाली का रास्ता साफ हुआ।

# बिजली विभाग की लापरवाही या सिस्टम की मार? औसत बिलों ने बढ़ाई उपभोक्ताओं की परेशानी

## मीटर रीडरों की हड़ताल का सीधा असर, हजारों के बिल लेकर बिजली दफ्तर पहुंचे लोग, घंटों लाइन में लगकर करानी पड़ी शिकायत

जीरकपुर/यूटर्न/03 जुलाई। मीटर रीडरों की लंबे समय से जारी हड़ताल का असर अब सीधे आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने लगा है। वास्तविक मीटर रीडिंग के अभाव में बिजली विभाग द्वारा औसत (एवरेज) आधार पर भेजे जा रहे बिजली बिलों ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार को बड़ी संख्या में उपभोक्ता भारी-भरकम बिलों की शिकायत लेकर बिजली बोर्ड के मुख्य कार्यालय पहुंचे। सुबह से ही कार्यालय के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं और लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

उपभोक्ताओं का कहना है कि कई महीनों से मीटर रीडिंग नहीं ली गई, लेकिन विभाग ने अनुमानित खपत के आधार पर हजारों रुपये के बिल भेज दिए। इससे न केवल घरेलू बजट बिगड़ गया, बल्कि पंजाब सरकार की मुफ्त बिजली योजना का लाभ भी प्रभावित हो रहा है। लोगों का आरोप है कि बिल देरी से जारी होने के कारण उन्हें योजना का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा।

कार्यालय में पहुंचे लोगों ने अधिकारियों से बिलों की जांच कर वास्तविक रीडिंग के आधार पर संशोधित बिल जारी करने की मांग की। कई उपभोक्ताओं ने कहा कि कम बिजली खपत के बावजूद उन्हें चार से पांच हजार रुपये तक के बिल थमा दिए गए हैं, जो समझ से परे हैं। बिजली कार्यालय में शिकायतों की संख्या बढ़ने से कर्मचारियों पर भी अतिरिक्त दबाव देखने को मिला। लोग अपने पुराने बिल और मीटर की फोटो लेकर पहुंचे और अधिकारियों से तत्काल समाधान की मांग करते रहे। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द ही मीटर रीडिंग व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो ऐसे विवाद और बढ़ेंगे।

### परेशानी की 5 बड़ी वजहें

- कई महीनों से मीटर रीडिंग नहीं ली जा रही।
- औसत खपत के आधार पर जारी हो रहे बिजली बिल।
- हजारों रुपये के बिल मिलने से उपभोक्ता परेशान।
- मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्रभावित होने की शिकायत।
- शिकायतों के समाधान के लिए बिजली दफ्तर में लंबी कतारें।

### क्या बोले उपभोक्ता

'हमारे घर में सिर्फ एक पंखा और एक-दो बल्ब चलते हैं, लेकिन विभाग ने करीब चार हजार रुपये का बिल भेज दिया। इतनी खपत होना संभव ही नहीं है।'

राजेश कुमार, उपभोक्ता

'बिल समझने के लिए सुबह से लाइन में खड़ी हूं। अगर समय पर सही रीडिंग ली जाती तो हमें इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।'

सविता देवी, गृहिणी

'मुफ्त बिजली योजना का लाभ मिलने की उम्मीद थी, लेकिन देरी से आए औसत बिलों ने पूरा हिसाब बिगाड़ दिया। विभाग को जल्द समाधान करना चाहिए।'

गुरमीत सिंह, उपभोक्ता

# सरकारी योजना का फॉर्म भरने में देरी बनी विवाद की वजह, आंगनवाड़ी वर्कर पर हमला

## 'मावां-धीआं सतिकारयोग योजना' के आवेदन को लेकर बवाल, महिला कर्मी अस्पताल पहुंची

डेराबस्सी/यूटर्न/03 जुलाई। पंजाब सरकार की 'मावां-धीआं सतिकारयोग योजना' के तहत आवेदन भरने में तकनीकी बाधा के चलते एक आंगनवाड़ी वर्कर पर कथित हमले का मामला सामने आया है। घटना डेराबस्सी के नजदीकी गांव बड़ाना की है, जहां सर्वर धीमा होने के कारण आवेदन तत्काल न भर पाने पर पड़ोसी परिवार के चार सदस्यों पर महिला कर्मी और उसके परिवार के साथ मारपीट करने के आरोप लगे हैं। घायल महिला को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल डेराबस्सी में भर्ती कराया गया है, जबकि पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के बेटे कमलजीत सिंह ने बताया कि उसकी मां गुरदीप कौर गांव में आंगनवाड़ी वर्कर के रूप में कार्यरत हैं। सरकार की योजना के तहत महिलाओं के आवेदन ऑनलाइन भरे जा रहे थे, लेकिन एम-सेवा ऐप का सर्वर लगातार धीमा चल रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले परिवार के दो पुरुष और दो महिलाएं आवेदन तुरंत भरने का दबाव बनाने लगे। जब गुरदीप कौर ने तकनीकी दिक्कत दूर होने के बाद आवेदन करने की बात कही तो आरोपियों ने कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और नौकरी से निकलवाने सहित गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दीं। शिकायत के अनुसार विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने पहले कमलजीत सिंह से मारपीट की और बाद में घर में घुसकर गुरदीप कौर पर हमला कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके कपड़े तक फाड़ दिए गए और चेहरे पर कई मुक्के मारे गए, जिससे उसके दांत भी प्रभावित हुए। घायल अवस्था में उसे व्हीलचेयर के सहारे अस्पताल पहुंचाया गया।

- सर्वर की धीमी रफ्तार का गुस्सा आंगनवाड़ी वर्कर पर उतारा, घर में घुसकर मारपीट का आरोप

गुरदीप कौर ने बताया कि उनका गांव में किसी से कोई विवाद नहीं है और वह केवल सरकारी ड्यूटी निभा रही थीं। घटना के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पीड़िता के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मई।

## मनीमाजरा में बैटरी चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार; चोरी की 9 वाहन बैटरियां बरामद

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस ने मनीमाजरा क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन बैटरी चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर कुल 9 चोरी की वाहन बैटरियां बरामद की हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी से मनीमाजरा थाने में दर्ज बैटरी चोरी के तीन मामलों का खुलासा होने का दावा किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मनीमाजरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने की। लगातार हो रही बैटरी चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, खुफिया सूचना जुटाई और जाल बिछाकर आरोपियों तक पहुंच बनाई।

### 79 वर्षीय बुजुर्ग की शिकायत से खुला मामला

मामले की शुरूआत 79 वर्षीय रामनाथ धीर, निवासी एमएचसी, मनीमाजरा की शिकायत से हुई। उन्होंने पुलिस को बताया कि 30 जून से 2 जुलाई के बीच उनके घर के बाहर खड़ी सेलेरियो कार (एचआर-54ई-7803) से एक्साइड कंपनी की लाल रंग की बैटरी चोरी कर ली गई। शिकायत के आधार पर मनीमाजरा थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पिछले कुछ दिनों से मनीमाजरा क्षेत्र में पुराने वाहनों की बैटरियां चोरी होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इसके बाद पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर आरोपियों की तलाश शुरू की।

## मलोया में वारदात की फिराक में घूम रहा बदमाश एयर पिस्टल के साथ गिरफ्तार

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस की डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल ने अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मलोया क्षेत्र से एक युवक को एयर पिस्टल और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी शहर में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। फिलहाल उसे पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि एयर पिस्टल और कारतूस उसे कहां से मिले तथा उसका उद्देश्य क्या था। यह कार्रवाई एसएसपी कंवरदीप कौर के निर्देश, डीएसपी डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल पी. अभिनंदन के मार्गदर्शन तथा इंस्पेक्टर चिरंजी लाल की निगरानी में की गई। पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को एएसआई हरभजन सिंह अपनी टीम के साथ मलोया थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान बस स्टैंड के पास गुप्त सूचना मिली कि आपराधिक प्रवृत्ति का युवक सुनील उर्फ बेगी राधा स्वामी सत्संग भवन के पास किसी वारदात की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राधा स्वामी सत्संग भवन के निकट टोबा के पास कच्चे रास्ते पर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक एयर पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी इनके संबंध में कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मलोया थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**पहले भी दो मामलों में हो चुका है गिरफ्तार...** गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनील उर्फ बेगी (22) निवासी गांव झामपुर, जिला मोहाली (पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ पहले भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2023 में वह सेक्टर-11 थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले तथा मारपीट, धमकी, लूट और चोरी से जुड़े एक अन्य मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

# आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हुआ सनमती स्कूल का स्टाफ

## श्री आनंदपुर साहिब और माता नैना देवी की यात्रा संपन्न

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/3/जुलाई। स्थानीय सनमती विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल के स्टाफ सदस्यों ने एक यादगार और प्रेरणादायक धार्मिक यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा के दौरान स्टाफ ने तख्त श्री आनंदपुर साहिब और माता नैना देवी के दरबार में नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

### आध्यात्मिकता और आपसी जुड़ाव का संगम

यह विशेष धार्मिक दौरा स्कूल की प्रिंसिपल सुप्रिया खुराना और प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रमेश जैन, सचिव महावीर जैन तथा उपाध्यक्ष कांता सिंगला के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। तख्त श्री आनंदपुर साहिब में स्टाफ सदस्यों ने गुरबाणी कीर्तन का श्रवण कर रूहानी सुकून महसूस किया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य स्टाफ सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना था।

### प्रार्थना और सकारात्मकता

पवित्र स्थानों के दर्शन करते हुए सभी सदस्यों ने स्कूल की निरंतर प्रगति, छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और क्षेत्र की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान स्टाफ ने न केवल धार्मिक महत्व के स्थानों के बारे में जानकारी प्राप्त की, बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों के प्राकृतिक सौंदर्य का भी आनंद लिया।

### क्या कहा प्रबंधन ने ?

प्रिंसिपल सुप्रिया खुराना ने कहा, ्यऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन जीवन में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करते हैं। विद्यालय प्रबंधन का प्रयास रहता है कि ऐसी गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ और विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और आत्मीयता को और मजबूत किया जाए। प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी यात्राएं मानसिक शांति प्रदान करने के साथ-साथ आपसी सामंजस्य को और गहरा करती हैं।यात्रा के समापन पर स्टाफ सदस्यों ने विद्यालय प्रबंधन और प्रिंसिपल का आभार व्यक्त करते हुए इस अनुभव को अविस्मरणीय बताया।

# जगरांव में रामलीला की गूँज

## रविंद्र कुमार 'नीटा' सभरवाल लगातार 19वीं बार बने श्री वैष्णो ड्रामेटिक क्लब के अध्यक्ष

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/3/जुलाई। शहर की सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने में अग्रणी 'श्री वैष्णो ड्रामेटिक क्लब' ने आगामी राम नाटक (रामलीला) के भव्य आयोजन का बिगुल फूंक दिया है। गीता भवन मंदिर में आयोजित एक विशेष बैठक में क्लब के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से रविंद्र कुमार (नीटा) सभरवाल को पुनः अध्यक्ष पद की कमान सौंपी है। यह लगातार 19वां मौका है जब सभरवाल को अध्यक्ष चुनकर उन पर क्लब की अटूट आस्था और विश्वास जताया गया है।

### 11 से २२ अक्टूबर तक भक्तिमय होगा माहौल

नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीटा सभरवाल ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष राम नाटक का मंचन 11 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक भंगड़ गेट के समीप स्थित चंडीगढ़ कॉलोनी में किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस बार का आयोजन और भी अधिक भव्य, श्रद्धापूर्ण और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न होगा।

### टीम भावना से होगा आयोजन को सफल

नीटा सभरवाल ने कहा, ्यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरी टीम का है जो वर्षों से इस धार्मिक परंपरा को जीवंत रखे हुए है। हम सभी का एकमात्र लक्ष्य मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना है। उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों से आह्वान किया कि वे आपसी सहयोग और पूरी निष्ठा के साथ इस आयोजन को यादगार बनाएँ।

### बैठक में इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस बैठक में क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहे : **निर्देशक :** अश्वनी कुमार (बल्लू) और सुनील पाठक

**प्रमुख पदाधिकारी :** मनजीत सिंह उभी (उपाध्यक्ष), बलविंदर बग्गड़, मख्खन सैनी, संदीप गोयल, केशव गोयल, विनोद मदान, चेतन अरोड़ा, सतपाल भट्टी, रामनाथ गोयल, सपन कपूर, साजन मल्होत्रा, रजनीश बांसल, सरबजीत लंका, रवि गुंबर, गौरव घई, बब्बू अरोड़ा, और सुशील चोपड़ा एवं प्रवीण पम्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

# दो कॉज-वे पर हाई लेवल ब्रिज की तैयारी, इंडस्ट्रियल एरिया के लोग अभी भी इंतजार में

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। हर मानसून में सुखना चो पर पानी का बहाव बढ़ने के साथ शहर के चार प्रमुख कॉज-वे बंद हो जाते हैं और मनीमाजरा, पंचकूला, मौली जागरां, रायपुर कलां, दड़वा और मक्खनमाजरा की ओर जाने वाले हजारों लोगों को लंबी ट्रैफिक जाम की समस्या झेलनी पड़ती है। इस बार चंडीगढ़ प्रशासन ने दो कॉज-वे को हाई लेवल ब्रिज में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं, लेकिन नगर निगम के अधीन आने वाले इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 कॉज-वे की परियोजना अभी शुरूआती स्तर तक भी नहीं पहुंच पाई है।

प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग ने बापूधाम-शास्त्री नगर कॉज-वे को हाई लेवल ब्रिज में बदलने के लिए 17 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। 30 जुलाई तक टेंडर आमंत्रित किए गए हैं और निर्माण एजेंसी तय होने के बाद करीब एक वर्ष में परियोजना पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं किशनगढ़ कॉज-वे के लिए कंसल्टेंट नियुक्त किया जा चुका है और वर्तमान में उसकी व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) अध्ययन चल रहा है।

इसके विपरीत नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 कॉज-वे के लिए अभी तक हाई लेवल ब्रिज का प्रस्ताव भी तैयार नहीं किया गया है। निगम फिलहाल केवल कॉज-वे की मरम्मत तक सीमित है। 40 लाख रुपये की मरम्मत के लिए कई बार टेंडर जारी किए गए, लेकिन किसी भी कंपनी ने रुचि नहीं दिखाई। नगर निगम के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर धर्मेंद्र शर्मा ने स्वीकार किया कि हाई लेवल ब्रिज बनाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल तैयार नहीं किया गया है।

उधर मक्खनमाजरा कॉज-वे को लेकर भी प्रशासन के पास कोई योजना नहीं है। ऐसे में तेज बारिश और सुखना लेक के फ्लड गेट खुलने की स्थिति में इस बार भी चारों कॉज-वे बंद होने की आशंका बनी रहेगी। इसका सीधा असर पंचकूला, मनीमाजरा, मौली जागरां, दड़वा और आसपास के क्षेत्रों की आवाजाही पर पड़ेगा, क्योंकि तब केवल मध्य मार्ग और हल्लोमाजरा मार्ग ही विकल्प बचते हैं, जहां हर बार भारी ट्रैफिक जाम लग जाता है।

### शास्त्री नगर ब्रिज में क्या होगा खास

प्रशासन की योजना के अनुसार शास्त्री नगर-बापूधाम कॉज-वे को फोरलेन हाई लेवल ब्रिज में बदला जाएगा। दोनों ओर साइकिल ट्रैक और पैदल यात्रियों के लिए अलग रास्ता बनाया जाएगा। स्ट्रीट लाइट, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज और पेयजल पाइपलाइन को भी नए सिरे से व्यवस्थित किया जाएगा। परियोजना के लिए दो बड़े बिजली के पोल और विद्युत लाइनें स्थानांतरित करनी होंगी, जबकि सड़क चौड़ीकरण के लिए 27 पेड़ों की कटाई भी प्रस्तावित है।

# चंडीगढ़ रेडक्रॉस ने शुरू किया 'रेडक्रॉस पंछी बसेरा' अभियान, पक्षियों के संरक्षण के लिए बनेगा सुरक्षित आवास

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। पक्षियों के संरक्षण और उनके लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में चंडीगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी ने एक नई पहल करते हुए 'रेडक्रॉस पंछी बसेरा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इंफोसिस फाउंडेशन रेडक्रॉस सराय में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त एवं चंडीगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष निशांत कुमार यादव (आईएएस) तथा रेडक्रॉस के सचिव अमनदीप सिंह (पीसीएस) ने किया। इस पहल की

शुरूआत चंडीगढ़ रेडक्रॉस की नोडल अधिकारी पूनम मलिक के प्रयासों से हुई। कार्यक्रम में एसडीईएम (पूर्व) पवितर सिंह (पीसीएस), इंफोसिस फाउंडेशन के पीयूष और चंडीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.सी.

अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस पहल का उद्देश्य शहर में पक्षियों के लिए सुरक्षित घोंसले, दाना और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराना है। पहले चरण में इंफोसिस फाउंडेशन रेडक्रॉस सराय के पार्क क्षेत्र में पक्षियों के लिए विशेष आवास विकसित किया गया है। यहां घोंसले, दाना-पात्र, स्वच्छ पेयजल, एक छोटा तालाब और पक्षी-अनुकूल पौधे लगाए गए हैं, ताकि पक्षियों को सुरक्षित और प्राकृतिक वातावरण मिल सके।

# VIP रोड पर पुलिस-युवकों के बीच थप्पड़कांड, VIDEO वायरल; ASI के थप्पड़ के बाद भड़का विवाद

## सड़क पर बहस ने लिया हिंसक मोड़, युवक ने भी पुलिसकर्मी को जड़ा थप्पड़; घटना की जांच शुरू

जीरकपुर/यूटर्न/03 जुलाई। शहर की सबसे व्यस्त वीआईपी रोड पर शुक्रवार देर रात पुलिस और युवकों के बीच हुई कहासुनी ने देखते ही देखते थप्पड़कांड का रूप ले लिया। पुलिस बीट बॉक्स के सामने हुई इस घटना का वीडियो राहगीरों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो के बाद पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, वीआईपी रोड स्थित पुलिस बीट बॉक्स के इंचार्ज एएसआई शरद धीमान की किसी बात को लेकर कुछ युवकों से सड़क के बीच बहस हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसी दौरान वीडियो में दिखाई देता है कि बहस के बीच एएसआई ने एक युवक को सार्वजनिक रूप से थप्पड़ मार दिया। पुलिसकर्मी द्वारा थप्पड़ मारे जाने के बाद मामला शांत होने के बजाय और अधिक उग्र हो गया। आरोप है कि युवक और उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने भी गुस्से में कानून हाथ में लेते हुए पुलिसकर्मी के साथ धक्का-मुक्की की और जवाबी कार्रवाई में एएसआई को भी थप्पड़ मार दिया।

कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग पुलिस के व्यवहार पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि कानून अपने हाथ में लेना किसी भी पक्ष के लिए उचित नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और वीडियो फुटेज के आधार पर दोनों पक्षों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस और आम नागरिकों के बीच संयम तथा पेशेवर व्यवहार की आवश्यकता को लेकर बहस छेड़ दी है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित पक्षों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

# हर शुक्रवार डेंगू पर वारः जीरकपुर में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 6 घरों में मिला लार्वा, काटे चालान

## प्रीत कॉलोनी समेत हॉटस्पॉट क्षेत्रों में चला विशेष सर्वे, लोगों को घर-घर जाकर किया जागरूक

जीरकपुर/यूटर्न/03 जुलाई। मानसून के मौसम में डेंगू की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को जीरकपुर में व्यापक अभियान चलाया। पंजाब सरकार के ₹हर शुक्रवार डेंगू पर वार₹ अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने शहर के डेंगू प्रभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों, विशेषकर प्रीत कॉलोनी और आसपास के इलाकों में विशेष कंटेनर सर्वे किया। इस दौरान घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में पानी जमा होने वाले स्थानों की गहन जांच की गई।

अभियान का नेतृत्व सिविल सर्जन मोहाली डॉ. संगीता जैन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ढकोली डॉ. गगनदीप सिंह शेरगिल, नोडल अधिकारी डॉ. सरगुन ग्रेवाल तथा हेल्थ सुपरवाइजर लखविंदरपाल ने किया। निरीक्षण के दौरान जिन घरों में डेंगू मच्छर का लार्वा मिला, उनके खिलाफ नगर परिषद जीरकपुर की ओर से मौके पर ही छह चालान किए गए।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सर्वे के दौरान लोगों को डेंगू के लक्षण, मच्छरों के पनपने के कारण और बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे सप्ताह में कम से कम एक बार कूलर, गमले, टायर, फ्रिज की ट्रे और अन्य पानी जमा होने वाले बर्तनों को पूरी तरह खाली कर सुखाएं। उन्होंने कहा कि डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में पनपता है तथा दिन के समय अधिक सक्रिय रहता है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द और शरीर में तेज दर्द डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में जांच करानी चाहिए। अभियान में हेल्थ वर्कर पंकज पट्टी, रुपिंदर सिंह, हरप्रीत सिंह, जतिंदर सिंह, अमरिंदर सिंह, ब्रीड चेकर तथा नर्सिंग विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

> 'मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को समाप्त करना ही डेंगू की रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका है। प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग का पूरा सहयोग करना चाहिए।'
>
> — स्वास्थ्य विभाग, मोहाली

# मलोया में वारदात की फिराक में घूम रहा बदमाश एयर पिस्टल के साथ गिरफ्तार

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस की डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल ने अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मलोया क्षेत्र से एक युवक को एयर पिस्टल और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी शहर में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। फिलहाल उसे पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि एयर पिस्टल और कारतूस उसे कहां से मिले तथा उसका उद्देश्य क्या था। यह कार्रवाई एसएसपी कंवरदीप कौर के निर्देश, डीएसपी डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल पी. अभिनंदन के मार्गदर्शन तथा इंस्पेक्टर चिरंजी लाल की निगरानी में की गई। पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को एएसआई हरभजन सिंह अपनी टीम के साथ मलोया थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान बस स्टैंड के पास गुप्त सूचना मिली कि आपराधिक प्रवृत्ति का युवक सुनील उर्फ बेगी राधा स्वामी सत्संग भवन के पास किसी वारदात की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राधा स्वामी सत्संग भवन के निकट टोबा के पास कच्चे रास्ते पर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

# कैजुअल लुक में नजर आईं आलिया भट्ट, सादगी भरे अंदाज ने बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट एक बार फिर अपने सिंपल और एलिगेंट लुक को लेकर चर्चा में हैं। उनकी एक नई मिरर सेल्फी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह लाल रंग की ओवरसाइज शर्ट में बेहद सहज अंदाज में दिखाई दे रही हैं। तस्वीर में आलिया बिना हैवी मेकअप के नैचुरल लुक में नजर आ रही हैं। खुले बाल और मिनिमल स्टाइल ने उनके लुक को और आकर्षक बना दिया है। फैंस उनके इस सादगी भरे अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं और तस्वीर पर लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने आलिया के इस लुक को 'नेचुरल ब्यूटी' और 'सिंपल लेकिन क्लासी' बताया है। अभिनेत्री का यह कैजुअल अंदाज फैशन प्रेमियों के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है। आलिया भट्ट अक्सर अपने अभिनय के साथ-साथ फैशन सेंस और सादगी के कारण भी सुर्खियों में रहती हैं। उनका हर नया लुक सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगता है और फैंस उसे खूब पसंद करते हैं।

# 'ओहदियां खेडा' के साथ हंसराज हंस की सूफी गायकी में वापसी

**राजनीति को त्यागकर अब सिर्फ प्रशंसकों की आत्मा को सुकून का अहसास कराएंगे पंजाब के राज गायक हंसराज हंस**

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। अपनी सुरीली और भावपूर्ण आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले पद्मश्री हंसराज हंस एक बार फिर अपने नए आध्यात्मिक गीत ओहदियां खेडा के साथ श्रोताओं के बीच आ गए हैं। आज चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में अपनी नवीनतम प्रस्तुति को लेकर मीडिया से रू-ब-रू होने के लिए पधारे पद्मश्री हंसराज हंस ने पत्रकारों के सामने अपना दिल खोल कर रख दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति में सिर्फ झूठ का ही बोलबाला है। उन्होंने राजनीति के बारे में एक शब्द भी बोलने से इंकार करते हुए कहा कि अब से वह सिर्फ और सिर्फ अपनी पुरानी पहचान सूफी गायकी की परम्परा को ही आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका मकसद रुहानियत से भरपूर रचनाओं से अपने श्रोताओं की आत्मा को सुकून पहुंचाना है।

## फीको और टाटा पावर सोलारूफ के बीच एमओयू, पंजाब के उद्योगों में रूफटॉप सोलर को मिलेगा बढ़ावा

लुधियाना/यूटर्न/03 जुलाई। फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल ऑर्गेनाइजेशन (फीको) ने पंजाब के औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में रूफटॉप सोलर ऊर्जा समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए टाटा पावर सोलारूफ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एमओयू का औपचारिक आदान-प्रदान फीको चेयरमैन केके सेठ और टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी संजय बंगा के बीच लुधियाना में आयोजित टाटा पावर की 'सस्टेनेबल एज' पहल के दौरान किया गया। इसी अवसर पर 'पे-एज-यू-सेव' रूफटॉप सोलर योजना का शुभारंभ भी किया गया।

इस साझेदारी का उद्देश्य विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर को सोलर फाइनेंसिंग मॉडल, रूफटॉप सोलर समाधानों और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लाभों के प्रति जागरूक करना है।

# प्रस्तावित सुधारों के तहत NEET और JEE एडमिशन में बोर्ड परीक्षा के अंकों को 50% तक वेटेज मिल सकता है

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। कॉम्पिटिटिव एंट्रेंस टेस्ट (प्रवेश परीक्षाओं) को लेकर हालिया विवादों के बाद भारत की परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की तैयारी हो रही है। केंद्र सरकार उन प्रोफेशनल कोर्स में एडमिशन के लिए 12वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों को 50% तक वेटेज देने पर विचार कर रही है, जिनमें अभी एडमिशन सिर्फ NEET और खएए जैसी प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर होता है। यह प्रस्ताव सुधारों के उस बड़े पैकेज का हिस्सा है, जिस पर शिक्षा मंत्रालय प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) की देखरेख में विचार कर रहा है। इस कदम का मकसद बोर्ड परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं के भारी दबाव को कम करना और पेपर लीक, मूल्यांकन में गड़बड़ी और दूसरी अनियमितताओं के बाद परीक्षा प्रणाली में भरोसा बहाल करना है। इस चर्चा से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, प्रस्तावित बदलावों में एडमिशन मेरिट लिस्ट तैयार करते समय बोर्ड परीक्षा के अंकों को 50% तक वेटेज देना शामिल है, जबकि बाकी वेटेज प्रवेश परीक्षाओं से मिलेगा। अभी मेडिकल और इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लगभग पूरी तरह से NEET और JEE के स्कोर पर आधारित होते हैं, और बोर्ड परीक्षा के अंक सिर्फ. योग्यता के मानदंड के तौर पर काम आते हैं। सुधार पैकेज में NEET और खएए के सिलेबस को स्कूली पाठ्यक्रम के साथ बेहतर ढंग से जोड़ने की भी योजना है, ताकि प्राइवेट कोचिंग संस्थानों पर छात्रों की निर्भरता कम हो सके। सिलेबस में तालमेल बिठाने के लिए नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (NCERT) को नोडल एजेंसी बनाए जाने की संभावना है।

विचार किए जा रहे अन्य प्रस्तावों में उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षाओं में कई बार शामिल होने की अनुमति देना और धीरे-धीरे अडैप्टिव, ऑन-डिमांड कंप्यूटर-बेस्ड टेस्टिंग की ओर बढ़ना शामिल है। उम्मीद है कि नया मॉडल ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी देगा और साल में एक बार होने वाली परीक्षा से जुड़े दबाव को कम करेगा। ये प्रस्तावित सुधार भारत की परीक्षा प्रणाली की लगातार हो रही आलोचना के बाद सामने आए हैं, खासकर NEET और दूसरी कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं से जुड़े विवादों के बाद, जिन्होंने पारदर्शिता, निष्पक्षता और परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। इसके बाद सरकार ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) की सिफारिशों के आधार पर परीक्षा ढांचे की व्यापक समीक्षा शुरू की है।

अगर ये बदलाव लागू होते हैं, तो यह दशकों में भारत की हायर एजुकेशन एडमिशन प्रक्रिया में सबसे बड़े बदलावों में से एक होगा। इससे स्कूली शिक्षा को ज्यादा महत्व मिलेगा और एक ही प्रवेश परीक्षा पर अत्यधिक निर्भरता कम होगी। हालांकि, अधिकारियों ने संकेत दिया है कि प्रस्तावों पर अभी विचार चल रहा है और कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

## कमलजीत सिंह पंछी बने ऑल इंडिया खुखरैन्स फेडरेशन, चंडीगढ़ इकाई के चेयरमैन

चंडीगढ़ /यूटर्न/03 जुलाई। क्षत्रिय खुखरैन सभा चंडीगढ़ के महासचिव कमलजीत सिंह पंछी आनंद को ऑल इंडिया खुखरैन्स फेडरेशन की चंडीगढ़ इकाई का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति खुखरैन बिरादरी और समाज के प्रति उनके लंबे समय से किए जा रहे योगदान, समर्पित सेवाओं और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका को देखते हुए की गई है। नियुक्ति के बाद कमलजीत सिंह पंछी ने ऑल इंडिया खुखरैन्स फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील कोहली का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे चेयरमैन के रूप में संगठन को मजबूत बनाने, समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने और खुखरैन बिरादरी के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस प्रतिष्ठित पद की गरिमा बनाए रखते हुए संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा समाज की सेवा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

## अंशुल बजाज बने भाजपा युवा मोर्चा के रानी लक्ष्मीबाई जिला अध्यक्ष

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के रानी लक्ष्मीबाई जिला में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद पर अंशुल बजाज की नियुक्ति की गई है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। रानी लक्ष्मीबाई जिला भाजपा के अध्यक्ष अनुप गुप्ता ने बताया कि यह नियुक्ति भाजपा चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा, प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष अभय झा तथा जिला प्रभारी संजीव राणा की सहमति एवं अनुमोदन के बाद की गई है। अंशुल बजाज सेक्टर-22 निवासी हैं और स्वर्गीय वरिंदर बजाज के पुत्र हैं। पार्टी नेतृत्व ने उनसे संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा युवा कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने की अपेक्षा जताई है। नियुक्ति पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अंशुल बजाज को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

## चंडीगढ़ प्रशासन ने चारों श्रम संहिताओं के ड्राफ्ट नियम किए जारी, 30 व 45 दिनों में मांगे सुझाव

चंडीगढ़/यूटर्न/03 जुलाई। चंडीगढ़ प्रशासन के श्रम विभाग ने चारों श्रम संहिताओं के तहत तैयार किए गए प्रारूप नियम (ड्राफ्ट रूल्स) पूर्व-प्रकाशित कर दिए हैं। इन नियमों को 2 जुलाई 2026 को चंडीगढ़ प्रशासन के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित किया गया है। साथ ही, इन्हें आम जनता और अन्य हितधारकों की जानकारी के लिए श्रम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। श्रम विभाग ने नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, कर्मचारियों और आम जनता से निर्धारित समय-सीमा के भीतर इन प्रारूप नियमों पर सुझाव और आपत्तियां भेजने की अपील की है। चंडीगढ़ कोड ऑन वेजेज रूल्स, 2026 तथा इंडस्ट्रियल रिलेशंस (चंडीगढ़) रूल्स, 2026 पर 30 दिनों के भीतर सुझाव दिए जा सकते हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372